1. डायरी अथवा दैनिकी (Diary)

रिश्ता

वही कायम रहता है
जो दिस से शुरु हो,
ज़रूरत से नहीं.

5 दिसम्बर 2015
प्रिय डायरी
आजकल सर्दियों की छुट्टियाँ हैं। इसलिए मैं अपने दादा दादी के घर भोपल आई हूँ। आज मेरे दादा दादी मुझे और मेरे तीन भाइयों को चिड़ियाघर दिखाने ले गये थे। वहां हम लोगों ने तरह - तरह के जानवर देखे। वहाँ बच्चों के लिए एक छोटी सी ट्रेन भी थी। उसमें बैठकर हम लोगों ने चिड़ियाघर के भिन्न भागों की सैर की। उसमें घूमने में बड़ा मज़ा आया। उसके बाद हम लोगों ने गौल गप्पे और चाट खायी। फिर हम लोग घर वापस आ गए।

2nd May 2013
Daily Notes

वो शब्द

माँ जो मुझसे रूठी है, तो उसे मना लँगा मैं। आखिर मोम को पिघलने में देर ही कितनी लगती है?
कुघेक दिन पहले की बात है, एक social networking site पर मैंने एक सवाल देखा- In what single word can you explain your mother?
मैंने सोचा, बहुत सोचा-कि उस अनंत रूप को, जो बरसों से मुझ पर एक मेहरबाँ अच्घादन की तरह मुझे अपने में समाये हुए है, उसे एक शब्द में क्या कहूँ?
सब समुद्रों से स्याही बनाकर पूरी धरती को कगजों की तरह भरती चली जाऊँ, तो भी

उसकी ममता को बयाँ नहीं कर पाऊँगी। कितनी उपमाएँ .....

1. डायरी माने.....

डायरी व्यक्ति की आत्माभिव्यक्ति है। व्यक्ति का बोध, जीवनानुभव, मानसिक स्तर, निजी भाषा और वैचारिक पक्षधरता आदि के अनुसार उसकी आत्माभिव्यक्ति का स्वरूप भिन्न-भिन्न हो सकता है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो डायरी लिखनेवाले व्यक्ति का खुलासा करती है। व्यक्ति अलग - अलग हैं, इसलिए आत्माभिव्यक्ति की शैलियाँ भी अलग - अलग होती हैं। याने, डायरी का रूप, उसकी भाषा, शैली और अभिव्यक्ति का विषय आदि एक जैसा हो, यह कतई संभव नहीं है।

किंतु फिर भी, बहुत सारी बातें डायरी के संबंध में आम हैं। एक तो यह है कि डायरी वैयक्तिक है। हर आदमी की नेमी ज़िंदगी में बहुत - सी बातें ऐसी होती हैं जो याद रखने की नहीं होती। इसलिए वे बातें दिन गुज़रने के साथ ही खत्म हो जाती हैं। मगर कुछ बातें ऐसे भी होती हैं जो खास अनुभव प्रदान करनेवाली हैं और इस कारण उनकी याद कई दिनों तक बनी भी रहती हैं। अनुभव वैयक्तिक है, अतएव उनके विवरण में भी मौलिकता होती है। डायरी की भाषा आत्मनिष्ठ होती है। लेखक की निजी भाषा (individual language) का परिचय डायरी के द्वारा मिल ही जाता है। साथ ही डायरी में अपने अनुभवों पर लेखक का निरीक्षण भी होता है। लेखक पर प्रत्येक दिन के अनुभवों का कैसा असर पड़ा है, यह लेखक के निरीक्षणों से पता चलता है। डायरी की रूपरेखा का खास कोई महत्व नहीं है। डायरी में तारीख लिखी भी जाती है, नहीं भी जाती है। यह व्यक्ति पर निर्भर है।

क) डायरी में लिखनेवाले की आत्माभिव्यक्ति होती है।

ख) डायरी लेखक/लेखिका की वैयक्तिक भावनाओं का परिचय कराती है।

ग) डायरी आम तैर पर संक्षिप्त होती है।

घ) डायरी की भाषा आत्मनिष्ठ होती है।

ङ) डायरी में लेखक अपने अनुभवों का आकलन करता/करती है।

च) डायरी में संदर्भोनुसार विभिन्न प्रकार के विरामादि चिह्नों का प्रयोग किया जाता है।

छ) डायरी स्वतंत्र और अनौपचारिक विधा है।

1. सुरेंदर माटसाब के व्यवहार से बेला काफ़ी निराश हो गई। साहिल के सामने अपमानित होना बेला सह नहीं पाती। बेला की डायरी लिखें।

ऐसा अनुभव कभी नहीं हुआ है......!

आज हमारे माटसाब ने कक्षा में अच्छा नहीं किया।

माटसाब का दिया हुआ गणित का काम मैंने किया था। वह सही भी था। मगार........ माटसाब ने मेरी कॉफी ठीक से नहीं जाँची। उन्होंने मेरे बालों में पंजा फँसाया। मेरी पुस्तिका फेंक दी। वह भी साहिल के सामने.....! मुझे बहुत बुरा लगा। मैं बिल्कुल डर गई...... पाँव काँपने लगे। माटसाब ने ऐसा क्यों किया?

साहिल मेरा अच्छा मित्र है। हम आपस में बहुत मानते हैं। साहिल की नज़र में मैं बहुत अच्छी हूँ। उनके सामने मेरा अपमान होने में सह नहीं पाती। माटसाब चाहे मेरी पिटाई करें तो भी मुझे बुरा नहीं लगता। मगर........उनके व्यवहार से मन खराब हो गया। इस घटना की याद बनी रहेगी ही।

साहिल को बुरा लगा होगा। उसने सारी बातें माँ से कही भी होंगी।

काशा.....!!साहिल सब समझ पाए.....।

2. डायरी के कुछ संभावित प्रसंग

1. पाँचवीं की रिज़ल्ट के बाद साहिल को बेला से विदा लेनी पड़ी। दोनों अलग - अलग स्कूलों में जा रहे हैं। साहिल को बहुत दर्द होने लगा। साहिल की डायरी तैयार करें।

2. बारिश आने में डेढ महीना बाकी थी। लेकिन यह बारिशों से पहले की बारिश का एक दिन था। पानी बरस रहा था। फुलेरा कस्बा की बादल छाई एक गली में पाँचवीं से छठी में चली गई एक लड़की जा रही थी। साहिल से बिछुड़ने पर बेला का मन बहुत खराब था। उस दिन की डायरी में बेला क्या - क्या लिखा होगा? बेला की डायरी कल्पना करके लिखें।

3. "मुझे अगले साल अजमेर भेज देंगे। वहाँ एक ल है, घर से दूर वहाँ

अकेला रहूँगा।

"क्यों साहिल?"

"पता नहीं क्यों?"

"तो यानी कि तुम फुलेरा मे ही नहीं रहोगे?" अजमेर के होस्टल में साहिल को नए - नए दोस्त मिलने पर भी साहिल को अकेलापन महसूस हुआ। बेला का अभाव वह सह नहीं सकता। साहिल के उस दिन की डायरी तैयार करें।

4. पाँच साल की आयु में पहली स्टेज शो से ही चार्ली चैप्लिन महान कलाकार बन गया। माँ बहुत खुश हो गई। चौप्लिन की माँ की डायरी लिखें।

5. "अरी बेवकूफ़ यह घर तो पराया है। बाकी लड़कियों की तरह तू भी किसी और की अमानत है।" - बुआ के शब्दों से गुठली काफ़ी निराश हो गई । गुठली अपने मन की बातें डायरी में लिखने लगी। गुठली की डायरी तैयार करें।

6. मोहन राकेश का सपना था यात्रा करना। अपनी यात्रा के दौरान उसे अचानक भोपाल स्टेशन पर उतरना पड़ा। भोपाल तालाब का यात्रानुभव वह कभी भूल नहीं सकता। मोहन राकेश की उस दिन की डायरी लिखें।

7. 'अंत में माँ जब उसे लेने आई तो दर्शकों ने देर तक खडे होकर तालियाँ बजाई। कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर उसके छोटे बच्चे की तारीफ़ की। चार्ली स्टेज पर पहली बार आया और माँ आखिरी बार।' चार्ली की माँ की उस दिन की डायरी कल्पना करके लिखें।

8. माँ को बुआ का साथ देता देख्र गुठली के साथ उदास भी हो गई और सीढियों पर बैठ गई। सोचती रही क्या यह घर उसका नहीं। गुठली तो मन ही मन गुस्सा, उदासीनता और दुख्र का अनुभव करने लगी। गुठली के उस दिन की डायरी लिख्रें।

9. वो अभी दीदी को चुहिया बुलाता है। सबकुछ कितना ऊटपटांग है। देर रात तक यही सब सोचती रही गुठली। फिर कुछ सोच मुसकराई। - अपने विचार और सोच वह डायरी में लिख्रती है। गुठली की डायरी लिख्रें।

10. रविवार का दिन था। साहिल अपने घर में नीम के पेड़ की डाली पकड़कर झूम रहा था। वह एक स्टूल पर चढ़कर झूलता था। अचानक टूटे स्टूल की एक कील साहिल की पिंडली में लग गई। इस घटना को साहिल अपनी डायरी में लिख्रा। वह डायरी कल्पना करके लिख्रें।

11. रणविजय के महल पर कलाम को देख्रकर राणा सा के कारिंदे कलाम के घर तलाशी लेने आते हैं और वहाँ कुंवर रणविजय की चीज़ों को पाकर कलाम पर चोरी का आरोप लगाते हैं। कलाम बहुत संकट में पड़ गया। इस प्रसंग के आधार पर कलाम (छोटू) की संभावित डायरी लिख्रें।

12. एक दिन रणविजय को उसके स्कूल में भाषण देने केलिए कहा जाता है। रणविजय परेशान है क्योंकि उसकी हिंदी इतनी अच्छी नहीं। कलाम यह जानता है और झट एक अच्छा-सा भाषण लिख्र अपने दोस्त रणविजय को दे देता है। रणविजय प्रथम पुरस्कार पाता है। इस घटना के आधार पर रणविजय की उस दिन की डायरी लिख्रें।

13. माँ ने अपने हाथ से उसका नाम कार्ड़ पर लिख्र दिया। ये अक्षर छपाई जैसे नहीं थे, फ़िर भी गुठली माँ के प्यार से मान गई। इस घटना के आधार पर गुठली की डायरी तैयार करें।

2. बातचीत अथवा वार्तालाप (Coversation)

मनुष्य सामाजिक प्राणी है। समाज का अंग होते हुए उसे दूसरों के साथ संपर्क करना होता है। ऐसे में, वह व्यक्ति या व्यक्तियों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखता है। यह संवाद ज़्यादात्तर अनौपचारिक होता है। अनौपचारिक संवाद याने बातचीत मौखिक होती है। अतएव मौखिक अभिव्यक्ति लिखित अभिव्यक्ति से कहीं अधिक भिन्न और मौलिक होती है। यों देखा जाए तो पाएंगे कि अनौपचारिक मौखिक अभिव्यक्ति को लिखित रूप देना थोड़ा जोखिम भरा काम है।

बातचीत मन की बात होती है। इसलिए बातचीत के ज़रिए आदमी अपने मन के भावों का खुलासा करता है। भावों का बहिर्गमन भिन्न प्रकार के वाक्यों द्वारा होता है। जैसे, प्रश्न-वाक्य, विस्मयादि बोधक, प्रस्तावना वाक्य आदि.....। इसका मजलब है कि बातचीत में इन सारे वाक्यों का इस्तेमाव किया जाता है। तभी एक बातचीत स्वाभाविक होता है।

तो देखें, बातचीत को लिखित रूप देते वक्त किस - किस बात पर ध्यान देना है।

- बातचीत अनौपचारिक हो।
- स्वाभाविकता के साथ लिखा जाए।
- ज़रूरत के अनुसार शब्दों, वाक्यांशो और सरल वाक्यों का प्रयोग किया जाए।
- संदर्भानुसार विरामदि चिह्नों का प्रयोग किया जाए।
- लंबे-चौड़े वाक्यों का प्रयोग न किया जाए।
- बातचीत बिना पूर्व तैयारी के, की जाती है। इसलिए औपचारिक संबोधन वगैरह न किया

जाए (ज़रूरत हो तो 'आदाब', 'नमस्कार', 'शुक्रिया' आदि का प्रयोग करें)।

1. **बीरबहूटी** कहानी का एक प्रसंग देखें।

पैन में कुछ स्याही बची थी, साहिल ने उसे ज़मीन पर छिड़क दिया। बेला और साहिल नई स्याही भरवाने दुकान पहूँचे। दुकानदार और बच्चों के बीच की संभावित बातचीत कैसी होगी, ज़रा देखें।

दुकानदार	:	बच्चो, क्या चाहिए?
बेला	:	पैन में स्याही भरनी है दादाजी।
दुकानदार	:	बेटे, बोतल अभी अभी ख़ाली हो गयी।
बेला	:	बाप रे.....!!! पैने में बची स्याही को इसने छिडक दिया।
दुकानदार	:	चलो, अच्छा हुआ!! इसलिए तो कहता है, बादल को देखकर घडे को नहीं दुलाना चाहिए।
साहिल	:	अब करें क्या, बेला?
दुकानदार	:	कल भरवा लो, और क्या?
बेला	:	फिलहाल पेंसिल से लिखते है हम।
दुकानदार	:	कौन - सी में पढ़ते हो?
साहिल	:	पाँचवीं में।
दुकानदार	:	दोनों?
बेला	:	हाँ, सेक्शन भी एक है - ए।
दुकानदार	:	अच्छा!! दूसरी घंटी भी लग गई है, चलो जल्दी।
बेला	:	अरे जल्दी आओ।
साहिल	:	हाँ चलते हैं।

2. **आई एम कलाम के बहाने** फ़िल्मी लेख का अंश पढ़ें।

'मोरपाल मुझे जब भी दिखा, हमेशा वही स्कूल की यूनीफ़ॉर्म पहने ही दिखा। एक बार तो मुझे याद है कि मोहल्ले की किसी शादी में भी उसे वही नीली - ख़ाकी स्कूल यूनीफॉर्म पहने देख में हैरान रह गया'। दूसरे दिन कक्षा आने पर मिहिर मोरपाल से इसके बारे में पूछता है। दोनों की संभावित बातचीत तैया करें।

मिहिर	-	रुको, मोरपाल, रुको।
मोरपाल	-	जल्दी आओ.....घंटी बज गई।
मिहिर	-	हाँ....हाँ, तुमसे एक बात पूछनी है।
मोरपाल	-	(हाँफ़ते हुए) क्या?
मिहिर	-	कल मोहल्ले की शादी में आया था?
मोरपाल	-	हाँ।
मिहिर	-	इसी यूनीफ़ॉर्म पहनकर?
मोरपाल	-	हाँ, उसमें क्या.....?
मिहिर	-	अरे क्यों ये पहने?
मोरपाल	-	दूसरा तो नहीं है, इसलिए....।
मिहिर	-	(आश्चर्य से) क्या, दूसरा तो नहीं!!
मोरपाल	-	नहीं।
मिहिर	-	तो कल में तेरे लिए एक उपहार लाऊँगा।
मोरपाल	-	वो क्या?
मिहिर	-	नहीं बताऊँ। कल देखें क्या कमाल है।
मोरपाल	-	हाँ, ठीक है।

कुछ संभावित प्रश्न

1.'वे एक - दूसरे के नज़दीक रहकर, बल्कि कहना चाहिए बिलकुल सटकर बीरबहूटियाँ खोजते थे। उन्हें देखने केलिए वे बारिश की गंध भरी भूरी ज़मीन पर बैठ जाया करते थे।' - बीर बहूटियों को खोजते बेला और साहिल के बीच की बातचीत तैयार करें।

2.'बेला का मन बहुत खराब हो गया, माटसाब चाहे मुझे पीट लेते मगर साहिल के सामने नहीं। सुरेंदर माटसाब का व्यवहार से बेला का मन बहुत खराब हो गया। घर लौटते वक्त बेला और साहिल इसके बारे में बातें करते हैं। उनके बीच का बातचीत लिखें।

3.वही मोरपाल जिसकी मेरे खाने के डिब्बे में राजमा देखते ही बाँछें खिल जाती थी। हमारा सौदा था खेल घंटी में खाने की अदला - बदली का। दोनों की मित्रता की शुरुआत यहाँ होती है। इस संदर्भ में दोनों के बीच संभावित बातचीत लिखें।

4.गंगी जगत से कूदकर भागी जा रही थी। घर पहुँचकर देखा कि जोखू लोटा मुँह से लगा वही मैला - गंदा पानी पी रहा है। गंगी ने सारी बातें जोखू को बता दीं। दोनों के बीच की बातचीत लिखें।

5.माँ ने अपने हाथ से उसका नाम कार्ड़ पर लिख दिया। ये अक्षर छपाई जैसे नहीं थे, फ़िर भी गुठली माँ के प्यार से मान गई। इस अवसर पर माँ और गुठली के बीच का संभावित बातचीत लिखें।

6.जोखू कई दिन से बीमार है। कुछ देर तक तो प्यास रोके चुप पड़ा रहा, फ़िर बोला- अब तो मारे प्यास के रह नहीं जाता। ला, थोड़ा पानी नाक बंद करके पू लूँ। इस अवसर पर जोखू और गंगी के बीच संभावित वार्तालाप तैयार करें।

7.भोपाल स्टेशन पर मेरा एक मित्र अविनाश जो वहाँ से निकलनेवाले एक हिंदी दैनिक का संपादन करता था, मुझसे मिलने के लिए आया था। मगर बात करने की जगह उसने मेरा बस्तर लपेटकर खिड़की से बाहर फेंक दिया और ख़ुद मेरा सूटकेस लिए हुए नीचे उत्तर गया। इस अवसर पर अविनाश और लेखक के बीच संभावित बातचीत लिखें।

8.मैनेजर ने चार्ली को माँ के कुछ दोस्तों के सामने अभिनय करते देखा था और वह उसे स्टेज पर भेजने की ज़िद करने लगा। माँ डर गई। पाँच साल का बच्चा इस उग्र भीड़ को झेल पाएगा। इस प्रसंग पर माँ और मैनेजर के बीच होनेवाली बातचीत लिखें।

3. प्राचीर विज्ञापन अथवा पोस्टर (Poster)

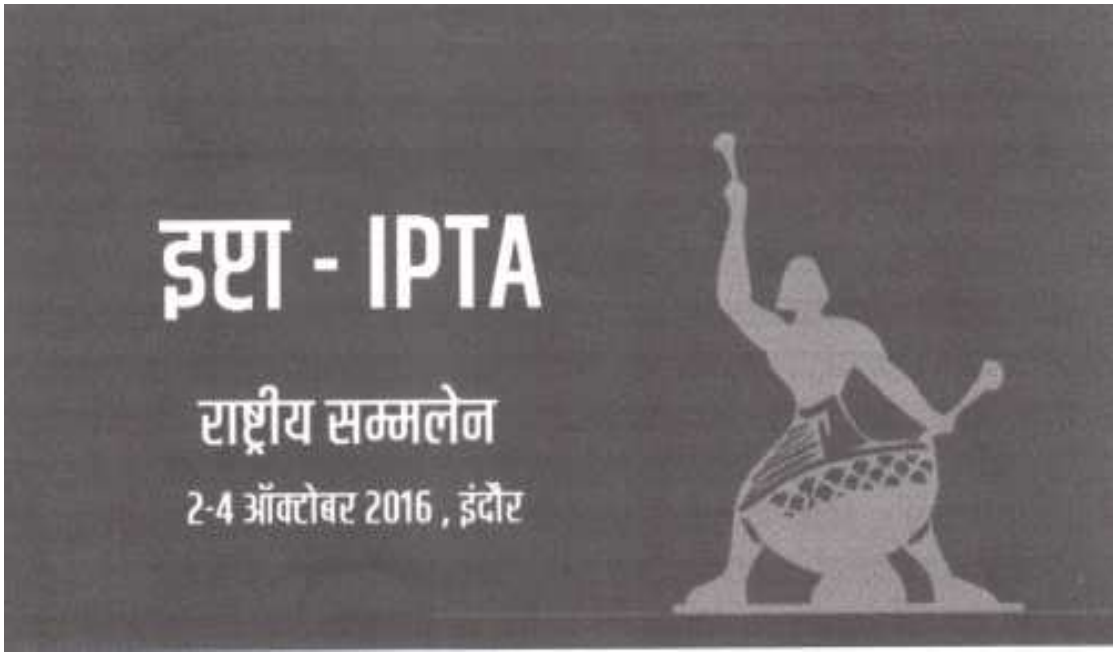

पोस्टर का मतलब है.....

सूचनाओं व संदेशों के आदान - प्रदान के कई साधन होते हैं। पत्र, सूचना, भित्ति -पत्र, पोस्टर, ब्रोशर इत्यादि ऐसे उपाय हैं जिनके द्वारा संदेशों, सूचनाओं आदि का संप्रेषण संभव हो

जाता है। सूचना प्रौद्योगिकी के ज़मान में ये सारी चीजें डिजिटल भी हो सकती हैं। हालांकि ये सब संप्रेषण के उपाय हैं, फिर भी प्रत्येक की अपनी - अपनी विशेषताएँ होती हैं। पोस्टर इन चीज़ों में से बिलकुल भिन्न है।

पोस्टर दीवार, सूचना-पट आदि पर चिपकाया जाता है। पैदल चलनेवाले या साफ़र करने वाले लोगों को कोई संदेश या सूचना देने के उद्देश्य से ऐसे चिपकाया जाता है। चूँकि पढ़नेवालों से यह काफ़ी दूर रहता है, इसलिए पोस्टर का रूप - संविधान विशेष प्रकार का होना ज़रूरी है। वैसे तो, पोस्टर का संदेश स्पष्ट और आपेक्षाकृत संक्षिप्त हो, तो अच्छा रहेगा। संदेश-पाठ के अनुरूप, चित्र के साथ रूप - संविधान तैयार करें तो पोस्टर बड़ा आकर्षक बन जाएगा।

आम तैर पर पोस्टर के होते हैं - संदेश देनेवाला और काग्रक्रम की सूचना देनेवाला। संदेश वाहक पोस्टर किसी निर्धारित समय सीमा के लिए तैयार नहीं किया जाता जबकि कार्यक्रम संबंधी पोस्टर किसी निर्धारित कालावधि के लिए होता है। इसलिए दोनों के रूप - संविधान में थोड़ा-बहुत फ़र्क होता है। कार्यक्रम संबंधी पोस्टर में काग्रक्रम की सूचनाओं को महत्व दिया जाता है, जबकि संदेश - वाहर में संदेश पर ज़ोर दिया जाता है। पोस्टर में पाठ के अलावा जो भी लिखा या खींचा जाता है, वह पोस्टर के समग्र आशय के साथ ताल - मेल रखनेवाला होना चाहिए।

प्रोस्टर एक साहित्यिक विधा नहीं है, फिर भी पोस्टर की रचना में क्रियात्मकता की ज़रूरत होती है। इस विषय में निम्न लिखित बातों पर ध्यान दें तो उचित रहेगा:

- पोस्टर की भाषा सरल और संक्षिप्त हो।
- संदेश पाठ लंबा - चौड़ा न हो।
- संदेश पाठ स्वयं - स्पष्ट हो।
- रूप-संविधान (lay out) विषयानुकूल हो।
    - प्रधानता के आधार पर अक्षरों को छोटा - बड़ा करना।
    - विषय के अनुरूप चित्र या गठन।
    - संदेशों को सार्थक बनाने वाला रूप - संविधान।

बालश्रम कानूनन अपराध

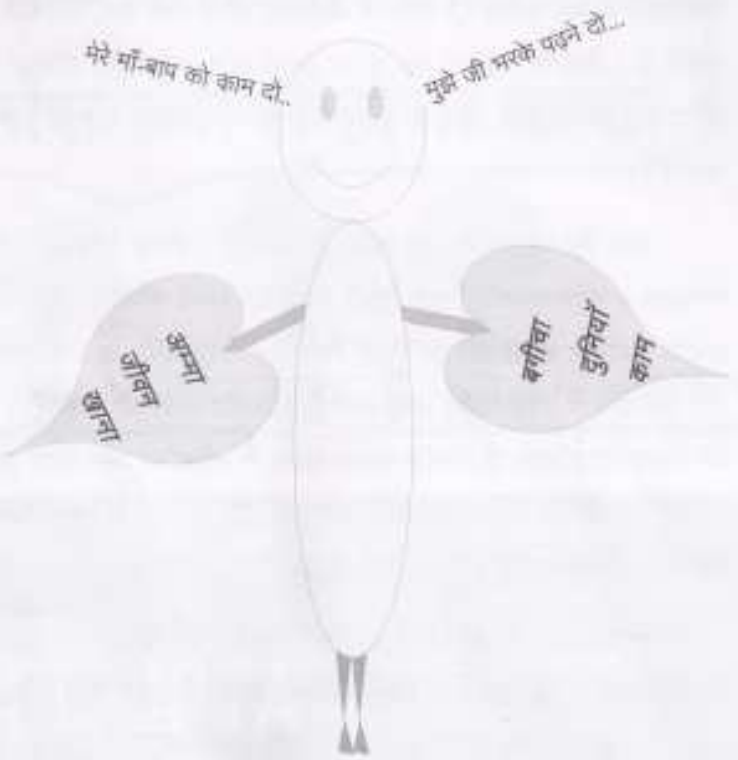

- *शिक्षा पाना हर बच्चे का अधिकार है ।*
- *आज का बच्चा कल का नागरिक है ।*
- *शिक्षित बच्चा देश की संपत्ति है ।*

बालक अधिकार संरक्षण परिषद

2.अपनी पहली स्टेज शो से ही चार्ली चाप्लिन महान कलाकार बन गए। लिटिल फ्लावर स्कूल न्यूयोर्क, नन्हा - मुन्ना कलाकार चार्ली चैप्लीन का अभिनंदन करने जा रहा है। इसकी सूचना देते हुए पोस्टर तैयार करें।

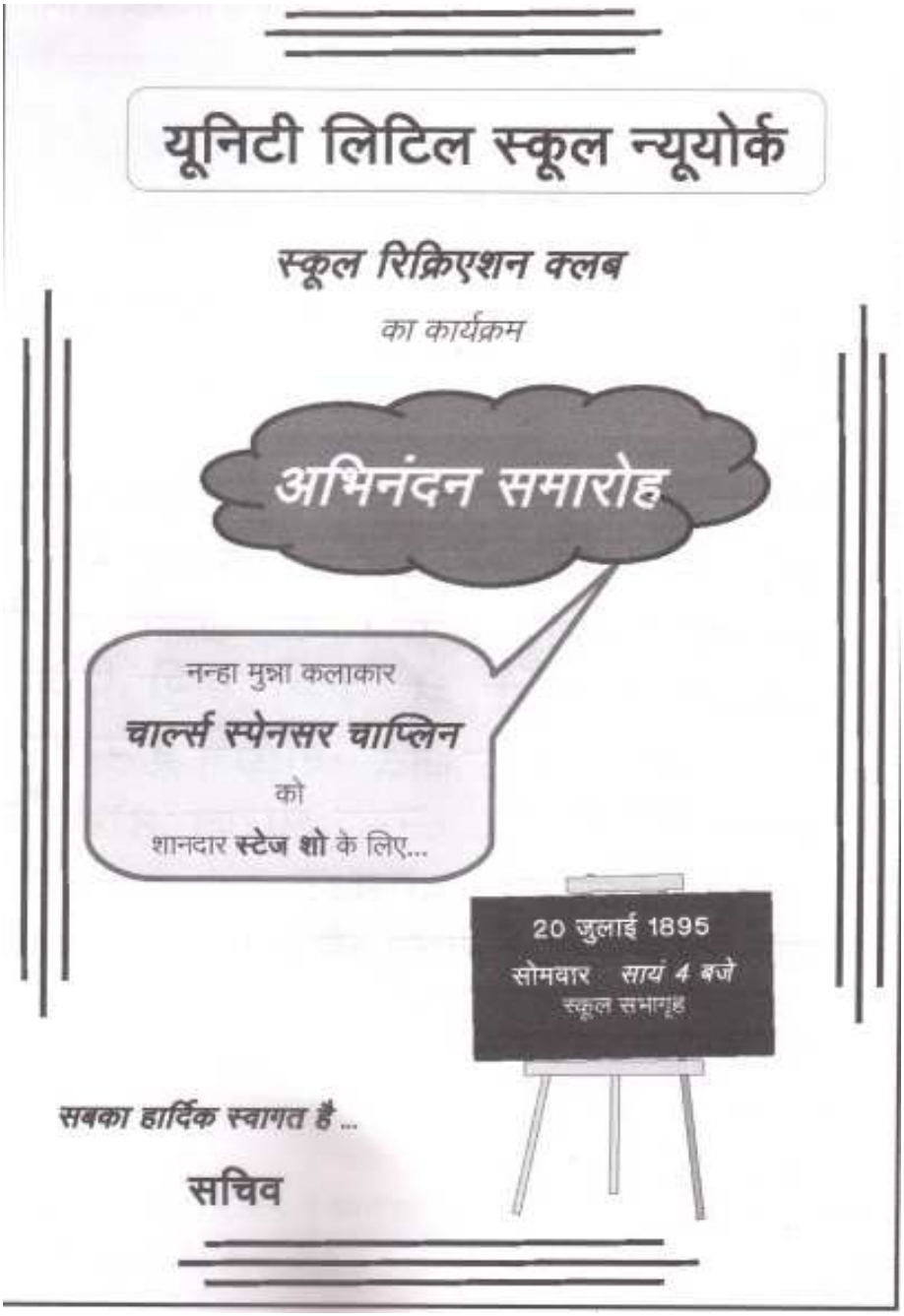

कुछ संभावित प्रसंग

1. भारत में जाति - प्रथा एक विकट समस्या है। **"मानवता ही एकमात्र जाति है"** का संदेश देनेवाला पोस्टर तैयार करें।
2. "गुठली तो पराई है" कहानी लड़कियों के प्रति समाज के भेद - भाव के मनोभाव का परिचय कराती है। **"लडकी-लडकी एक"** का संदेश देनेवाला पोस्यर तैयार करें।
3. मान लें कि इस वर्ष पंचाचूली की सास्कृतिक समिती फूलदेई का त्योहार बड़ी धूम-धाम से मना रही है। कार्यक्रमों की सूचना देते हुए पोस्टर तैयार करें।
4. भाषण प्रतियोगिता में रणविजय प्रथम पुरस्कार पाता है। हिंदी मंच के नेतृत्व में उसका अभिनंदन करने का निश्चय किया। अभिनंदन समारोह केलिए पोस्टर तैयार करें।
5. 'जोखू कई दिन से बीमार है। कुछ देर तक तो प्यास रोक चुप पडा रहा, फिर बोला अब तो मारे प्यास के रहा नहीं जाता। ला, थोड़ा पानी नाक बंद करके पी लूँ। गंगी ने पानी नहीं दिया। खराब पानी पीने से बीमारी बढ़ जाएगी इतना जानती थी" आप जानते है, जल खराब होने का कई कारण है, जल संरक्षण की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए एक पोस्टर तैयार करें।

4. समाचार (News)

दिल्ली की सड़कों पर स्लटवॉक

महिला कमिश्नर ने किया विरोध;

वन्यजीव हैं तो हम सभी हैं

किसी घटना का वस्तुनिष्ठ विवरण आम तौर पट रपट या समाचार या ख़बर कहलाता है। यह पढ़ने पर पाठक समझ पाएगा कि यह घटना कब, कहाँ, कैसे, क्यों किसके कारण घटी है। विवरण इस प्रकार किया जाना चाहिए कि पढ़नेवालों को यथार्थ लगे और इसमें लेखक के मन की बातें न हो।

रपट की भाषा सरल हो और दी गई बातें आसानी से समझने में सहायक हो। समाचार का रूप - संविधान साधारण हो ताकि पाठक शीर्षक आदि का आश्य जल्दी ग्रहण कर सकें। जहाँ तक हो सके, मिश्रित वाक्यों का प्रयोग न किया जाए। समाचार तैयार करते वक्त सावधानी बरते कि विवरण में किसी प्रकार का पूर्वग्रह नहीं झलकता है। शीर्षक इस प्रकार का हो कि आशयों से उसका से उसका सीधा संबंध है और पाठकों को समझने में आसान है।

एक व्यावहारिक विधा के रूप में समाचार अन्य साहित्यिक विधा से काफ़ी अलग है। समाचार की अपनी भाषा और शैली होती है। वर्तमान समय की ज़रूरत और जीवन शैली के मुताबिक समाचार लेखन में काफ़ी परिवर्तन आ चुका है। नमूने के लिए एक यह रपट पढ़ें।

1. *अंत में माँ जब उसे लेने आई तो दर्शकों ने देर तक खड़े होकर तालियाँ बजाई। कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर उसके छोटे बच्चे की तारीफ़ की। चार्ली स्टेज पर पहली बार आया और माँ आखिरी बार.....*

दुनिया के सबसे बड़े शो मैन का यह पहला शो था। इस घटना के आधार पर रपट तैयार करें।

चार्ली चौप्लिन : स्टेज शो का नया सितारा

न्यूयॉर्क : 15 **जून वा. पो. ब्यूरो**

आज यहाँ के न्यू कंवेशन सेंटर में एक नए कलाकार का जन्म हुआ। पाँच वर्षीय चार्ली स्पेंशर चौप्लिन ने अपनी प्रतिभा के बदौलत संगीत - प्रेमियों पर ज़बर्दस्त प्रभाव ड़ाला।

मज़े की बात है कि बालक चौप्लिन अपनी माँ की शो देखने आया था। शो के दौरान माँ का आवाज़ में गडबड़ी आ गई। मैनेजर की ज़िद के चलते बच्चे को स्टेज पर ज़बरन आना पड़ा। फिर तो सब इतिहास बन गया। उसने हालात को संभालते हुए मशहूर जैक जोन्स गाने के साथ अपनी शो की शुरुआत की। इससे कवेंशन सेंटर में जमें हज़ारों लोग भावविभार हो गए। स्टेज पर पैसों की बौछार होती रही।

बालक चौप्लिन ने खूब गाना गाया, नृत्य किया, दर्शकों से बातचीत की और अपनी माँ सहित कई कलाकारों की नकल उतारी। मासूमियत में किए प्रदर्शन से कंवेशन सेंटर हॉसीघर में तब्दील हो गया। कार्यक्रम के अंत में दर्शकों ने तालियाँ बजाकर उस नन्हे - मुन्ने कलाकार और उसकी कलाकार माँ की तारीफ़ की। बेशक आज एक नया तारोदय हुआ है।

2. *'बसंत फूलदेई का त्यौहार लेकर आता है। देर शाम तक बच्चे फूल चुनते हैं। इन फूलों को रिंगाल से बनी खास तरह की टोकरियों में रखा जाता है।' फूलदेई का त्योहार शुरु होनेवाला है। इस पर समाचार पत्र केलिए रपट तैयार करें।*

फूलदेई उत्सव हुआ शुरु बच्चों में भारी उत्साह

रुद्रप्रयाग : वसंत के आगमन के साथ जिले में बच्चों का मुख्य त्योहार फूलदेई उत्सव शुरु हो गया। ग्रामीण क्षेत्रों में वसंत के गीतों के साथ ही बच्चों ने घरों की चौखट पर फूल डालना शुरु कर दिया।

मंगलवार से जिला मुख्यालय के साथ हुए जिले के कई स्थानों पर फूलदेई उत्सव शुरु हो गई है। गत सोमवार की ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों ने बुरांश, फ्यूंली के फूल एकत्रित कर दिए गए। मंगलवार को सुबर - सबेरे ही बच्चों ने बसंत के गीतों के साथ फूल डालना शुरु किया। सुबह - सबेरे बच्चों का शोर ग्रामीणों को जगाने का कार्य भी कर रहा है। हम फूलदेई उत्सव को लेकर बच्चों में काफ़ी उत्साह दिख रहा है। घरों की चौखट पर फूल डालने का यह क्रम इक्कीस दिनों तक चलेगा। इक्कीसवीं दिन बच्चे प्रत्येक परिवार से भोजन सामग्री एकचित्र कर सामूहिक भोजन का आयोजन करेंगे। जिला मुख्यालय के साथ ही तिलवाड़ा, अगस्तयमुनि, ऊखिमठ, गुप्तकाशी, फाटा, जखोली, चोपड़ा क्षेत्र के कई स्थानों पर यह उत्सव शुरु हो गया है।

(साभार : 'जागरण' समाचार पत्र, बुधवार 15 मार्च 2017)

कहा जा सकता है कि:

समाचार वस्तुविष्ठ हो।

समाचार में स्थान, समय, घटना आदि का विवरण हो।

समाचार का उचित शीर्षक हो।

समाचार का उचित रूप - संविधान हो।

समाचार दिए गए प्रसंग पर आधारित हो।

समाचार के कुछ संभावित प्रसंग:

1.कुएं में मृत जानवर को गिरा देने से गाँव के गरीब मज़दूरों और दलितों के पीने का पानी ख़राब हो गया है। गाँव के लोग पानी के लिए काफ़ी तरस रहे हैं। इसकी सूचना देते हुए समाचार तैयार करें।

2.चौखंभा पर्वतीय इलाके में इस बार फूलदेई का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया गया। त्योहार के विशेष आकर्षणों का विवरण करते हुए रपट तैयार करें।

3.ग्रामीण इलाकों के कई बच्चों को छोटी उम्र में ही काम पर जाना पड़ता है। इससे बच्चे शिक्षा पाने के अधिकार से वंचित हो जाते हैं। इस गंभीर मामले की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए समाचार तैयार करें।

5. **पटकथा** (Screen Play)

पटकथा फिल्म निर्माण की प्रक्रिया का पहला सोपान है। सिनेमा के लिए एक अच्छी - खासी कहानी का आधार ज़रूरी है। उचित कहानी मिल जाए तो उस पर पटकथा लिखना शुरु किया जाता है। आम तैर पर देखा जाता है कि मूलकथाओं में ज़रूरी परिवर्तन करके ही पटकथाएँ लिखी जाती हैं। फिल्म को समकालीन और सार्थक बनाने के लिए ही ऐसा किया जाता है। यो देखा जाए तो पाएंगे कि पटकथा लेखन में सावधानी बहुत कुछ बरतनी पड़ती है। ढंग की पटकथा निकली, सिनेमा सफल निकलेगा ही।

अक्सर पूछा जाता है कि क्या पटकथा का कोई खास प्रारूप है। यकीन मानिए कि पटकथा का कोई खास प्रारूप नहीं है। सभी अपनी - अपनी शैली और संरचना में पटकथा लिखते हैं। क्योंकि पटकथा भी एक मौलिक रचनात्मक विधा है। इसमें प्रत्येक व्यक्ति का छाप पड़ना स्वाभाविक है। शर्त है कि पटकथा फ़िल्माने के लायक है।

पटकथा में स्थान, समय, पात्र, पात्रों की वेशभूषा, पात्रों का आचरण, पात्रों के बीच का संवाद आदि का ज़िक्र होना चाहिए। फ़िल्मान या शूटिंग करने हेतु निर्देश या सुझाव पटकथा में अन्यत्र दें तो अच्छा रहेगा। निर्देशक इस पटकथा के आधार पर ही शूटिंग स्क्रिप्ट तैयार करता है। घटनाओं के मोड़ के अनुसार नए - नए दृश्य पटकथा में अभरकर आ ही जाते हैं।

एक साहित्यिक विधा के रूप में पटकथा के कुछ मौलिक तत्व होते हैं। वे इस प्रकार है :

- पटकथा में घटनाएँ दृश्यों के आधार पर लिखी जाती हैं।
- प्रत्येक प्रसंग में स्थान और समय स्पष्ट रूप से दिया जाता है।
- प्रत्येक दृश्य में पात्रों का परिचय देना आवश्यक है।
  - पात्रों की आयु और हाव - भाव।
  - पात्रों की वेशभूषा।
- पात्रों के बीच का संवाद उचित संदर्भ में लिखा जाता है।

बारिश के पहले की बारिश

(बीरबहूटी कहानी पर लिखी पटकथा)

सीन - 1

♦ राजस्थान का एक कस्बा फुलेरा।

♦ सुबह के आठ बजे हैं।

(कस्बा काफ़ी व्यस्त है। बारिश से वातावरण एकदम ठंडा है। गीली हवाएँ बहती है। आसमान बादलों से भरा है। कस्बे की एक तरफ़ मालगाडियाँ आती - जाती रहती हैं। दूसरी तरफ़ हरा - भरा खेत हैं। खेतों में बाजरे और मूंगफली की हरियाली दिखाई देती है। बाजरे के पातों में पानी की बूंदें अटकी हुई हैं।

ग्यारह साल की लड़की बेला और ग्यारह साल का लड़का साहिल खेत में किसी चीज़ को खोजते हैं। दोनों स्कूली वर्दी में हैं। पीठ पर मामूली - सी बैग लदी हुई है।

कैमरा पूरे कस्बे और खेत का दृश्य दिखाते हुए बच्चों पर केंद्रित होकर रुकती है। फिर लड़के की हथेली की बीरबहूटियों पर थोड़ी देर केंद्रित होती है। बच्चे एकदम नज़दीक रहकर बीरबहूटियाँ खोजते दिखाई पड़ते हैं।

साहिल (हँसते हुए) : यह देखा बेला, बीरबहूटियाँ कितनी सुंदर हैं!!

बेला (मुस्कुराते हुए) : हां, सचमुच..... सुर्ख़, मुलायम, गदबदी...!!!

साहिल (चेहरा ऊपर उठाते हुए) : इनका रंग तुम्हारे रिबन के जैसे लाल है ना...?

बेला (हँसती है) : ये चलती - फिरती ख़ून की बूँदों जैसी हैं.....!!

बेला (कान लगाते हुए) : अरे.....!!

साहिल (गंभीर होकर) : तुमने कुछ सुना बेला?

बेला : हाँ, पहली घंटी लग गई है!!

साहिल : बाप रे ! पैने में स्याही भरवानी है मुझे !!

बेला (हाथ पकडकर) : चलो, दुकान चलते हैं।

(दोनों दुकान की ओर तेज़ चलते दिखाई देते हैं।)

पटकथा के कुछ प्रसंग

1.एक दिन सुरेंदर जी माटसाब ने बेला के बालों में पंजा फंसाया। पर शायद जिस गलती को पाकर वे उसके बाल पकड़कर फेंकड़कर थे। वह गलती थी ही नहीं। उन्होंने बेला को छोड़ दिया । बेला के भयभीत चेहरे को देख्रकर साहिल बुरी तरह डर गया था। उसने देख्रा कि बेला के पाँव अभी भी काँप रहे हैं। जैसे वह ख्रड़े - ख्रड़े अभी गिर जाएगी। सुरेंदर जी माटसाब ने काँप को उसके बैठने की जगह पर फेंकते हुए कहा, "बैठ अपनी जगह पर।"

इस प्रसंग के आधार पर पटकथा का एक दृश्य तैयार करें।

2.पाँचवीं कक्षा का रिज़ल्ट आ गया। दोनों छठी में आ गए। यह स्कूल पाँचतीं तक ही था।

"साहिल अब तुम कहाँ पढ़ेगे?" बेला ने पूछा।

"और तुम कहाँ पढ़ोगी बेला?" साहिल ने पूछा।

"मेरे पापा कह रहे थे कि तुझे राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़ाएँगे और तुम?"

"मुझे अगले साल अजमेर भेज देंगे। वहाँ एक हॉस्टल है, घर से दूर वहाँ अकेला रहूँगा।

"क्यों साहिल?"

"पगा नहीं क्यों"

"तो यानी कि अब तुम फुलेरा में ही नहीं रहेगे?"

"नहीं। तुम्हारा रिपोर्ट कार्ड़ दिख्राना।"

साहिल बेला का रिपोर्ट कार्ड़ देख्र रहा था और बेला साहिल का।

इस प्रसंग के आधार पर पटकथा का एक दृश्य तैयार करें।

3.जोख्रू ने लोटा मुँह में लगाया तो पानी में कख्त बदबू आई। गंगी से बोला - "यह कैसा पानी है ? मारे बास के पिया नहीं जाता । गला सूख्रा जा रहा है। और तू सड़ा पानी पिलाए देती है!" इस प्रसंग के आधार पर पटकथा का एक दृश्य तैयार करें।

4.इतने में माँ गुठली को ढूँढकर वहाँ आ पहूँची। गुठली को उदास देख्र गले लगाकर बोल "बेटा, बुआ की बात का बुरा मत मान। और जो कल होना है उसे लेकर आज क्यूँ परेशान होना। ये दिन फिर लौट के नहीं आनेवाले हैं, इन्हें जी भर के जी लें। "माँ की बातों से गुठली और भी हताश हो गई। इस प्रसंग के आधार पर पटकथा का एक दृश्य तैयार करें।

5.गुठली बोली, “अपना घर? यही तो मेरा घर है, जहाँ मैं पैदा हुई।” बुआ हँसके बोली, “अरी बेवकूक यह घर तो पराया है। बाकी लड़कियों की तरह तू भी किसी और की अमानत है। ससुराल ही तेरा घर होगा। जैसे देख, पैदा तो मैं भी इसी घर में हुई थी, पर अब तेरे पूफ़ाजी का घर ही मेरा घर है। कुछ समझी? ‘इसी प्रसंग के आधार पर पटकथा का एक दृश्य तैयार करें।

6.गुठली ताऊजी के पास जाकर बोली, “देखिए भइया मेरा नाम कार्ड़ में छपवाना भूल गया।

ताऊजी बोले, ‘भूला नहीं है रे..... अपने घर का छोरियों के नाम कार्ड़ पर नहीं छपते।”

गुठली, “पर ताऊजी उसमें भइया के छोटे - से बेटे का भी नाम है जो अभी बोल भी नहीं सकता तो मेरा....।”

“तो क्या हुआ? तेरा नाम तेरे अपने कार्ड़ में छपेगा यहाँ नहीं..... अब चल भाग यहाँ से।”

इस प्रसंग के आधार पर पटकथा का एक दृश्य तैयार करें।

7.वे एक दूसरे के बहुत नज़दीक रहकर, बल्कि कहना चाहिए बिलकुल सटकर बीरबहूटियाँ खोजते थे। उन्हें देखने के लेए वे बारिश की गंध भरी भूरी ज़मीन पर बैठ जाया करते थे।

“बेला, देखो इस बीरबहूटी का रंग तुम्हारे रिबने के जैसा लाल है।” साहिल ने कहा।

“तुमने कुछ सुना बेला”

“हाँ, सुना पहली घंटी लग गई है।”

“लेकिन मुझे पैन में स्याही भी भरवानी है, दुकान से।”

- इस प्रसंग के आधार पर पटकथा का एक दृश्य तैयार करें।

6. पत्र लेखन (Letter Writing)

लिखिए रूप में अपने मन के भावों एवं विचारों को प्रकट करने का माध्यम 'पत्र' कहलाता है। पत्र के द्वारा व्यक्ति अपनी बातों को दूसरों तक लिखकर पहूँचाता है। लिखते समय आपको यह ध्यान रखना है कि जो पत्र आप लिख रहे हैं पढ़ने वाले को कितना समझ में आएगा। क्योंकि जब कोई पत्र पढ़ता है तो आप वहाँ पर नही होते है! आपका पत्र लेखन ऐसा हो कि आप उसके सामने नहीं होते हुए भी उसको अनुभव दिलाते हैं कि मैं आपके पास हूँ!

तो देखें, पत्र लिखते समय किन किन विशेषताओं पर ध्यान देना है।

• सरलता - पत्र की भाषा सरल, सीधी, स्वाभाविक तथा स्पष्ट होनी चाहिए। इसमें कठिन शब्द या साहित्यिक भाषा का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए।

• स्पष्ट - सरल भाषा शैली, शब्दों का चयन, वाक्य रचना की सरलता पत्र को प्रभावशाली बनाती है। पत्र में स्पष्टता लाने केलिए अप्रचलित शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

• संक्षिप्तता - आज मनुश्य अधिक व्यस्त रहता है, वह पत्र पढ़ने में अधिक समय देना नहीं चाहता। पत्रों में अनावश्यक विस्तार नहीं होना चाहिए।

• आकर्षकता - पत्र आकर्षक होने चाहिए। लिखते समय स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

• मैलिकता - मैलिकता पत्र की विशेषता होती है, पत्र में घिस - पिटे वाक्यों के प्रयोग से बचना चाहिए। पत्र लेखक को पत्र में स्वयं के विषय में कम तथा प्राप्तकर्ता के विषय में अधिक लिखना चाहिए।

कहा जा सकता हैं कि
पत्र सरल हो।
पत्र स्पष्ट हो।
पत्र संक्षिप्त हो।
पत्र आकर्षक हो।
पत्र उद्देश्यपूर्ण हो।

• माटसाहब के बुरे व्यवहार से बेला बहुत - दुखी ह। इस बुरे व्यवहार को बताते हुए बेला सहेली के नाम पत्र लिखती है। कल्पना करके वह पत्र लिखिए।

अडूर

11.11.2021

प्रिय मित्र,

आशा है तुम स्वस्थ व सानंद हो। मैं यहाँ ठीक हूँ। मैं आपसे एक बात बताने केलिए ही यह पत्र लिखती हूँ। आज गणित के पीरियड़ में एक बुरी घटना हुई, जिससे मैं बहुत दुखी हूँ। क्लास में माटसाहब कॉपी जाँचते समय उनकी नज़र मुझ पर पड़ी। बिना कुछ कहे उन्होंने मेरे बालों में पंजा फँसाया। लेकिन मेरी कॉपी में कोई गलती नहीं थी कुछ समय के बाद माटसाहब ने कॉपी फेंका और मुझसे बैठने को कहा। सभी बच्चों की नज़र मुझपर पड़ी। साहिल के सामने ऐसे होने से मैं खुद को शर्मिदा महसूस कर रही हूँ।

आशा है परिवार में सब कुशल है।

तुम्हारी पढ़ाई कैसे चल रही है?

तुम्हारी प्रतीक्षा मे।

नाम

पता।

तुम्हारा मित्र

नाम

पता।

पत्र लेखने के कुछ संभावित प्रसंग

1 इसी बीच शादी के कार्ड छपके आए। गुठली बड़ी उत्सुक थी। जैसे - तैसे पूजा - पाठ के बाद कार्ड हाथ में आया तो गुठली का मुँह उतर गया। वह ताऊजी के पास जाकर बोली, "देखिए भइया मेरा नाम कार्ड में छपवाना भूल गया?" ताऊजी बोले, "भूला नहीं है रे..... अपने घर की छोरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते।"

"लड़कियों के साथ होनेवाले

असमानता के बारे में गुठली

अपनी सहेली को बताना चाहती है।
सहेली के नाम गुठली का पत्र कल्पना
करके लिखिए।”

2. माँ गा रही थी। अचानक उनकी आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में बदल गई। लोग चिल्लाने लगे। माँ परेशान होकर स्टेजद से हट गई। मैनेजर चार्ली को स्टेज पर भेजने की ज़िद करने लगे। चार्ली अपने स्टेज के अनुभवों के बारे में मित्र के नाम पत्र लिखा। वह पत्र कल्पना करके लिखें।

3. मगर रात आई, तो मैं वहाँ सोने की जगह भोपाल ताल की एक नाव में लेटा बूढ़े मल्लाह अब्दुल जब्बार से गज़ले सुन रहा था। मोहन राकेश उसी रात के बारे में मित्र के नाम पत्र लिखता है। वह पत्र कल्पना करके लिखे।

7. वाक्य पिरमिड.....

1. कोष्ठक से उचित शब्द - चुनकर वाक्य पिरमिड़ की पूर्ती करें।
(शादी में, स्कूली)

मोरपाल आया था।
मोरपाल यूनिफॉर्म
पहनकर आया था।

2. माँ गा कोष्ठक से उचित शब्द चुनकर वाक्य पिरमिड़ की पूर्ती करें।
(धीरे - धीरे, कवि के साथ)

व्यक्ति चलता है।
अपरिचित व्यक्ति चलता है।

3. कोष्ठक से उचित शब्द चुनकर वाक्य पिरमिड़ की पूर्ती करें।

(अभद्र, स्टेज से)

माँ को
हटने को मज़बूर कर दिया।
इस शोर ने माँ
को हटने को मज़बूर कर दिया।

भाषा की बात

कर्ता - क्रिया अन्वित

नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें।

बच्चे काम पर **जाते हैं।**

बच्चा काम पर **जाता है।**

1. टोलियाँ गाँव भर में घूमती है।

   टोलियाँ के बदले टोली का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।

2. बच्चे सारे काम करते हैं।

   बच्चे के स्थान पर बच्चा का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।

3. स्त्रियाँ पानी भरने आई थीं।

   स्त्रियाँ के स्थान पर स्त्री का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।

4. वह काम पर जाता था।

   वह के स्थान पर वे का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।

5. मैं उसकी तरफ़ देख रहा था।

   मैं के बदले हम का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।

6. लूसी मैडम वादा करती हैं।

   लूसी मैडम के स्थान पर छोटू का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।

7. बेला खुद को शार्मिंदा महसूस कर रही थी।

   बेला के स्थान पर साहिल का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।

8. ताईजी चाय देने चली गई।

   ताईजी से स्थान पर ताऊजी का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।

9. गंगी मौक का इंतज़ार करने लगी।

   गंगी के बदले जोखू का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।

10. चार्ली स्टेज पर पहली बार आया।

चार्ली के बदले माँ का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।

कर्ता - क्रिया अन्विति

1. वे स्कूल केलिए कुछ समय पहले .....।

क) निकल आता था ख) निकल आते थे ग) निकल आती थी घ) निकल आता थी

2. वह साइकिल चलाता रोज़ स्कूल.....।

क) आते थे ख) आती थी ग) आता था घ) आती था

3. गंगी जगत से कूदकर.....।

क) भागने लगी ख) भागना लगी ग) भागनी लगी घ) भागने लगे

4. सब लोग कतार में.....।

क) सब खड़ा था ख) खड़े थे ग) खड़ी थी घ) खड़ी थीं

5. पहाडों में फ्यूंली के पीले फूल .....।

क) खिलना लगता है ख) खिलने लगता ह ग) खिलनी लगता है घ) खिलने लगते है

6. किले के भीतर बड़ी संख्या में परिवार.....।

क) रहता है ख) रहती है ग) रहते हैं घ) रहती हैं

7. मैं वहाँ अकेला.....।

क) रहेगा ख) रहूँगा ग) रहेगी घ) रहेगे

8. जोखू मैला - गंदा पानी .....।

क) पी रही है ख) पी रहा है ग) पी रहा हूँ घ) पी रही हैं

9. दोनों किताब .....।

क) पढ़ते थे ख) पढ़ता था ग) पढ़ती थीं घ) पढ़ती थी

10. बच्चे सारे काम.....।

क) करता है ख) करती है ग) करते हैं घ) करता हूँ

■ सर्वनाम - विभक्ति संयोग

1. सही विकल्प चुनकर लिखें।

क) वह + का = उसकी　　ख) वह + की = उसकी

ग) वह + को = उसकी　　घ) वह + के = उसकी

2. सही विकल्प चुनकर लिखें।

क) मैं + को = मुझे　　ख) मैं + के = मुझे

ग) मैं + से = मुझे　　घ) मैं + की = मुझे

3. सही विकल्प चुनकर लिखें।

क) वह + ने = उसको　　ख) वह + से = उसको

ग) वह + में = उसको　　घ) वह + को = उसको

4. सही विकल्प चुनकर लिखें।

क) मैं + का = मेरे　　ख) मैं + को = मेरे

ग) मैं + के = मेरे　　घ) मैं + ने = मेरे

5. सही विकल्प चुनकर लिखें।

क) वे + के = उन्हें　　ख) वे + ने = उन्हें

ग) वे + को = उन्हें　　घ) वे + से = उन्हें

6. सही विकल्प चुनकर लिखें।

क) हम + को = हमारा　　ख) हम + के = हमारा

ग) हम + का = हमारा　　घ) हम + की = हमारा

7. बीरबहूटी का रंग तुम्हारे रिबन के जैसे लाल है। तुम्हारे में प्रयुक्त सर्वनाम और प्रत्यय हैं।

क) तुम + का　ख) तुम + को　ग) तुम + की　घ) तुम + के

8. उसे साहिल ने ज़मीन पर छिड़क दिया। उसे में निहित सर्वनाम और प्रत्यय हैं-

क) वह + की　ख) वह + के　ग) वह + को　घ) वह + से

9. उनके साथ - साथ कैमरे को भी दौड़ना होगा। उनके में निहित सर्वनाम और प्रत्यय हैं

क) वे + को　ख) वे + के　ग) वे + ने　घ) वे + से

10. उन्होंने साथ - साथ कैमरे को भी दौड़ना होगा। उनके में निहित सर्वनाम और प्रत्यय हैं

क) वे + ने ख) वे + को ग) वे + को घ) वे + म

सहायक क्रिया लग का प्रयोग

नमूने के अनुसार वाक्य को बदलकर लिखें।

1.	मैवेजर ज़िद करता है	मैनेजर ज़िद करने लगा।
	चार्ली स्टेज पर आता है	चार्ली स्टेज पर.....।
2.	गुठली स्कूल की तरफ़ जाती है	गुठली स्कूल की तरफ़ जाने लगी।
	बुआ हँसके बोलती है।	बुई हँसके .....।
3.	वे बीरबहूटियाँ खोजते थे।	वे बीरबहूटियाँ खोजने लगे।
	वे घर से निकलते थे।	वे घर से .....।
4.	रणविजय घोड़े पर चढ़ता है।	रणविजय घोड़े पर चढ़ते लगा।
	कलाम दिल्ली पहुँचता है। कलाम	दिल्ली.....।
5.	गंगी वृक्ष की छाया से निकली।	गंगी वृक्ष की छाया से निकलने लगी।
	गंगी कुएँ की जगत पर चढ़ी।	गंगी कुएँ की जगर पर.....।
6.	मल्लाह खामोश हो गया।	मल्लाह खामोश हो जाने लगा।
	मल्लाह गालिब की गज़ल सुनाया।	मल्लाह गालिब की गज़ल.....।
7.	गाँव में ठंड़ पडती है।	गाँव में ठंड़ पड़ने लगती है।
	गर्मी चपम पर होती है।	गर्मी चरम पर.....।
8.	गंगी मौक का इंतज़ार	गंगी मौक का इंतज़ार करने लगी।
	जोखू मौक का इंतज़ार करता था।	जोखू मौक का इंतज़ार.....।

विशेषण - विशेष्य

1. उसे सरकारी अस्पताल में पट्टी बंधवाने के लिए ले जाया गया। इस वाक्य में निहित विशेषण शब्द है

क) अस्पताल ख) पट्टी ग) सरकारी घ) बंधवाना

2. तीसरी गज़ल सुनाकर वह खामोश हो गया। इस वाक्य में निहित विशेषण शब्द है

क) खामोश ख) गज़ल ग) तीसरी घ) वह

3. स्कूल कलाम को बेहतर जीवन का सपना दिखाता है। इस वाक्य में निहित विशेषण शब्द है

क) स्कूल ख) बेहतर ग) सपना घ) जीवन

4. कुप्पी की धुंधली रोशनी कुएँ पर आ रही थी। इस वाक्य में निहित विशेषण शब्द है

क) धुंधली ख) कुएँ ग) कुप्पी घ) रोशनी

5. बसंत की गुनगुनी धूप दोपहरी में तपाने लगती है। इस वाक्य में निहित विशेषण शब्द है

क) गुनगुनी ख) दोपहरी ग) बसंत घ) धूप

6. शिल्प की इस बारिक कारीगरी को देखें। इस वाक्य में निहित विशेषण शब्द है

क) शिल्प ख) कारीगरी ग) बारीक घ) देखें

7. चार्ली ने मशहूर गीत जैक जोन्स गाना शुरु किया।

क) चार्ली ख) गाना ग) मशहूर घ) गीत

8. ऊँचे हिमालय शिखरों पर बुराँस चटकने लगते हैं।

क) बुराँस ख) ऊँच ग) हिमालय घ) शिखरों पर

9. बेला के भयभीत चेहरे को देखकर साहिल डर गया था।

क) साहिल ख) बेला ग) चेहरे घ) भयभीत

10. दुकान में रंग - बिरंगी जूतियाँ सजी थीं।

क) रंग - बिरंगी ख) दुकान ग) सजी थीं घ) जूतियाँ

11. कलाम अच्छा - सा भाषण लिख देता है।

क) भाषण ख) अच्छा - सा ग) लिख घ) कलाम